भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
07.02.2024 के
अतारांकित प्रश्न सं. 769 का उत्तर

सिल्वर लाइन परियोजना

769. श्री वी.के. श्रीकंदन:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या दक्षिण रेलवे ने केरल रेल विकास निगम लिमिटेड (के-रेल) की सिल्वर लाइन परियोजना के लिए रेलवे की भूमि को छोड़ने में अपनी असमर्थता व्यक्त की है;

(ख) क्या यह भी सच है कि के-रेल द्वारा प्रस्तावित संरेखण को रेलवे से पूर्व परामर्श किए बिना अंतिम रूप दे दिया गया था;

(ग) क्या दक्षिण रेलवे के अनुसार प्रस्तावित संरेखण रेलवे अवसंरचना के बिल्कुल निकट है और के-रेल की प्रस्तावित परियोजना के लिए रेल परिसंपत्तियों के विखंडन और पुनर्निर्माण के कारण रेलगाड़ियों का परिचालन बाधित होगा, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या के-रेल ने केरल में रेलवे की भावी विकास संबंधी आवश्यकताओं पर विचार नहीं किया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या के-रेल परियोजना की सिल्वर लाइन ट्रैक को 200 किमी. प्रति घंटा की डिजाइन की गति के साथ एक मानक गेज के रूप में प्रस्तावित किया गया है जो मौजूदा रेललाइन के अनुरूप नहीं है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): केरल रेल विकास निगम लिमिटेड द्वारा, जो कि केरल राज्य सरकार (51%) और रेल मंत्रालय (49%) की संयुक्त उद्यम कंपनी है, केरल में तिरुवनंतपुरम से कासरगोड

s.k

तक सिल्वर लाइन अर्ध उच्च गति रेल को विकसित करने के लिए चिह्नित किया गया है। सर्वेक्षण के बाद, केरल रेल विकास निगम लिमिटेड ने अनुमोदन हेतु रेल मंत्रालय को अर्ध उच्च गति रेल परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट प्रस्तुत की है। विस्तृत परियोजना रिपोर्ट में तकनीकी व्यवहार्यता के लिए पर्याप्त विवरण उपलब्ध नहीं कराए हैं। अत: केरल रेल विकास निगम लिमिटेड को संरेखण योजना, भूमि का विवरण, मौजूदा रेल नेटवर्क पर पारणों आदि जैसे विस्तृत तकनीकी दस्तावेज मुहैया कराने के लिए कहा गया है, ताकि परियोजना की व्यवहार्यता की आगे जांच की जा सके। दक्षिण रेल केरल रेल विकास निगम लिमिटेड के साथ परियोजना से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने और आगे की जांच हेतु रेल मंत्रालय को उसकी टिप्पणियां प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है। यह परियोजना अभी स्वीकृत नहीं की गयी है।

******

s.k